Silver Jubilee Reunion Class-of-1991

(25-28 December, 2015)

सहारा

सिल्वर जुबली रीयूनियन में मिले पूर्व छात्र

आईआईटी के सिल्वर जुबली रीयूनियन कार्यक्रम में आये पूर्व छात्र। *फोटो : एसएनबी*

कानपुर (एसएनबी)। सिल्वर जुबली रीयूनियन में वर्ष 1991 बैच के आईआईटियंस छात्रों की जुटान आईआईटी परिसर में हुई। पूर्व छात्र व उनके परिजन आपस में एक-दूसरे से गले मिले। साथ ही पूर्व छात्रों ने पुराने दिनों की याद ताजा की। रीयूनियन कार्यक्रम के तहत आईआईटी निदेशक प्रो. इन्द्रनील मन्ना ने पूर्व छात्रों का स्वागत किया व

1991 बैच के आईआईटियंस ने ताजा कीं पुरानी यादें

उनके सम्मान में दोपहर में आवास पर लंच दिया।

रीयूनियन कार्यक्रम में पधारे करीब 110 पूर्व छात्रों ने संस्थान से पढ़कर निकलने व उसके बाद हासिल सफलताओं की चर्चा की। आईआईटी कानपुर की दशा व दिशा को लेकर भी चर्चा हुई। पूर्व छात्रों ने संस्थान की प्रतिष्ठा बरकरार रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्तापरक शोध व उसके लिए आधारभूत संरचनाओं के विकास पर जोर दिया। रिटायर्ड प्रोफेसरों के साथ भी पूर्व छात्रों का विचार विमर्श हुआ। इसके पश्चात पूर्व छात्रों ने आपस में मिलकर यादें सहेजने को ग्रुप फोटोग्राफी करायी। शाम को पूर्व छात्रों के लिए म्यूजिकल इवनिंग कार्यक्रम रखा गया, जिसमें पूर्व छात्रों ने भी प्रस्तुति दी। पूर्व छात्रों को परिसर स्थित विभिन्न विभागों में एकेडमिक टूर, हॉस्टल टूर, कैम्पस टूर, कम्प्यूटर सेंटर, पीके केलकर लाइब्रेरी, विंड टनल आदि की विजिट भी करायी गयी। वर्ष 1991 बैच के पूर्व आईआईटियंस के इस सिल्वर जुबली रीयूनियन कार्यक्रम के चलते परिसर में उत्सव का माहौल रहा। संस्थान के शिक्षकों व छात्रों ने भी विभिन्न मुद्दों पर पूर्व छात्रों के साथ परामर्श किया। रीयूनियन कार्यक्रम के तहत रविवार को पूर्व छात्रों के लिए सुबह जहां योगा का कार्यक्रम प्रस्तावित है, वहीं राजेश गोप कुमार, महान मिश्रा व नमानिष्ठा दास साइंस एंड स्प्रिचुअल्टी पर पूर्व छात्रों के साथ इंट्रेक्शन करेंगे। शाम को पूर्व छात्रों के मनोरंजन के लिए कराओके नाइट का आयोजन भी रखा गया है। साथ ही पूर्व छात्रों के परिजनों व बच्चों के लिए कम्प्यूटर सेंटर में सांस्कृतिक कार्यक्रम व पेंटिंग वर्कशॉप भी होगी। पूर्व छात्रों के बीच आइडियाज व अन्य मुद्दों पर भी विमर्श का दौर प्रस्तावित है। परिसर की लड़कियों द्वारा मेहंदी कार्यक्रम भी रखा गया है। कार्यक्रम का समापन 28 दिसंबर को होगा। कार्यक्रम के अंतिम दिन पूर्व छात्र बिठूर भ्रमण पर जायेंगे। इसके बाद उनकी वापसी शुरू हो जायेगी।